शांतिप्रिय देश के रूप में भारत की अन्तर्राष्ट्रीय पहिचान–महामहिम सिंह

आबू रोड, १ दिसम्बर, निसं। आज हम कितना भी विकास कर ले परन्तु सच्चा विकास वही है जिससे समाज के लोगों में शांति एवं सदभावना का विकास हो सके। आज भारत भी विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा है परन्तु इसकी शांतिप्रिय देशों के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय पहिचान है। उक्त उदगार हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल श्रीमति उर्मिला सिंह ने व्यक्त किये वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन परिसर के डायमंड हॉल में पूरे देश विदेश से आये हजारों की संख्या में लोगों को सम्बोधित कर रही थी।

आगे उन्होंने कहा कि हमारा देश में हिंसा और अपराध के लिए कोई जगह नहीं है। हिंसा और अपराध हमेशा विकास के मार्ग में बाधक बनता है। इसलिए हमारे देश की नहीं बल्कि पूरे विश्व के लोगों को एक शांति एवं सदभावना के लिए प्रयास करने की जरूरत है। भारत की संस्कृति में भाईचारा और एकता रची बसी है। ब्रह्माकुमारीज संस्था का अन्तर्राष्ट्यी प्रयास इस क्षेत्र में मुख्य भूमिका निभा रहा है। महिलाओं द्वारा संचालित यह संस्था आज पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन कर रही है।

इस अवसर पर संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि जब हम दैहिक भावनाओं से उपर उठेंगे तभी हम भेदभाव की दिवारों को तोड़ पायेंगे। आज हम भौतिक रूप से सभी क्षेत्र में विकास तो कर रहे है। परन्तु खंडित हो रही आपसी एकता से विकास में बाधायें उत्पन्न हो रही है। संस्था के कार्यकारी सचिव ब्र. कु. मृत्युंजय ने कहा कि समाज के सभी वर्गों के लोगों में मूल्यों और समरसता को विकसित करने का कार्य सभी लोगों को एकजुट होकर करना पड़ेगा। आज जरूरत है कि विभिन्न मतों को दरकिनार कर लोगों में सदभावना और शांति का अलख जगायें। ब्रह्माकुमारीज संस्था सदा यही प्रयास रहा है कि अब पूरे विश्व में ऐसी क्रान्ति का पहल हो सके।

इस अवसर संस्था के सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशक ब्र. कु. करूणा, शांतिवन प्रबन्धक ब्र. कु. भूपाल सहित कई लोगों ने अपने–अपने विचार व्यक्त किये। इसके पश्चात वे संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी से मुलाकात कर संस्था पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के समाधि स्थल प्रकाश स्तम्भ पर श्रद्धांजलि अर्पित की। शांतिवन स्थित डायमंड हॉल में देश–विदेश से आये हजारों लोगों को देखकर अभिभूत हो उठी।

फोटो, १एबीआर १, २, ३, ४ सभा को सम्बोधित करती महामहिम तथा अन्य।